माथा पच्ची

चाय, कॉफी और कोला

मान लो कि 500 ग्राम चाय की पत्तियों से हम 160 कप चाय तैयार कर सकते हैं और 500 ग्राम कॉफी पाउडर से 40 कप कॉफी। यह भी मान लो कि 500 ग्राम चाय में कैफीन की मात्रा 500 ग्राम कॉफी की तुलना में दुगुनी है। अब बताओ, एक कप कॉफी की तुलना में एक कप चाय में कैफीन की मात्रा कितनी कम या ज़्यादा होगी?

अब मान लो कि एक बोतल कोला में कैफीन की मात्रा एक कप कॉफी की तुलना में एक-चौथाई है। बताओ, एक बोतल कोला की तुलना में एक कप चाय में कैफीन की मात्रा कितनी कम-ज़्यादा होगी?

एक कप चाय में कैफीन की मात्रा एक कप कॉफी की तुलना में आधी होगी। एक बोतल कोला की तुलना में एक कप चाय में कैफीन की मात्रा दुगुनी होगी।

कँचे का बँटवारा

तीन दोस्तों ने आपस में कुछ कँचे बाँटे। तीनों को चार-चार कँचे मिले। अब तीनों के पास कुल उतने ही कँचे शेष थे जितने हरेक को बाँटे गए थे। तो कुल कितने कँचे थे?

बड़ी मछली छोटी मछली को ढूँढते-ढूँढते थक गई है। क्या तुम उसे छोटी मछली तक पहुँचने का रास्ता बता सकते हो?

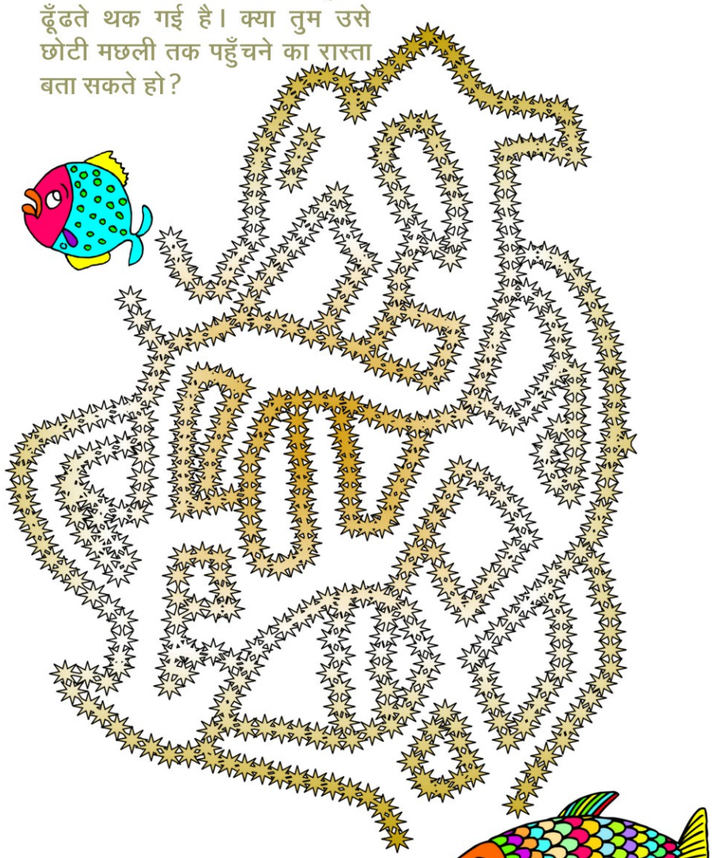

चित्र - धर्मपाल "मिंटू"

कौन-सी तितली बाकी सबसे अलग है?

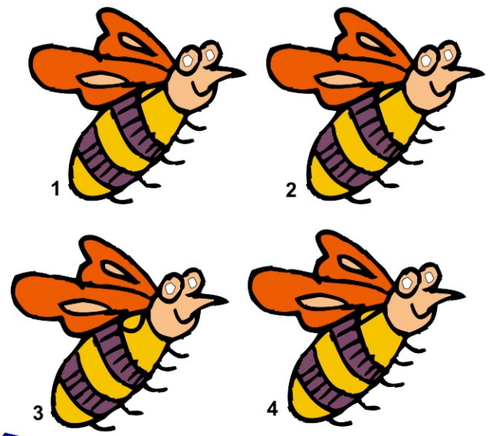

सिकन्दर बनाम पुरू

सिकन्दर और पुरू की लड़ाई हुई। इसमें यूनानियों ने पुरू के एक सैनिक को कैद कर लिया था। उसको मौत की सज़ा सुनाई गई। पर सिकन्दर जुएबाज़ शख्स था। इसलिए उसने सैनिक को बचने का एक मौका दिया। उसने शर्त रखी, "तुम्हें मात्र एक वाक्य बोलने की इजाज़त है। यदि तुम झूठ बोलते हो तो तलवार से तुम्हारा सिर उड़ा दिया जाएगा। यदि सच बोलते हो तो तुम्हें फाँसी चढ़ा दिया जाएगा।"

ज़रा सोचो सैनिक क्या जवाब दे ताकि वह बच जाए?

सैनिक कहे, "मेरा सिर तलवार से उड़ा दिया जाए।

ज़रा गिनो तो कितनी साइकिलें हैं इस ट्रक में!

चित्रः जितेन्द्र ठाकुर

बैंगन

काल-कलूटा काल-कलूटा
छोटा-छोटा मोटा-मोटा
चिकना-चिकना गीला-गीला
अन्दर से कुछ पीला-पीला
हरी-हरी-सी उसकी चोटी
हल्की-हल्की छोटी-छोटी
चीरें और पकाएँ उसको
लोग मज़े से खाएँ उसको

इन दोनों तस्वीरों में तुम्हें कितने अन्तर नज़र आ रहे हैं?

अक्लू चाचा

हमारे अक्लू चाचा घर में आते ही बोले, "एक सवाल के जवाब में मैंने बताया कि भोपाल से दिल्ली की दूरी उतनी ही है, जितनी दिल्ली से भोपाल की है। क्या मैंने सही बताया?"
"हाँ"
"फिर मुझ से दूसरा सवाल पूछा गया तो मैंने बताया कि दशहरे के जितने दिन बाद दिवाली आती है, दिवाली के भी उतने ही दिन बाद दशहरा आता है। मैंने सही बताया?"
ज़रा सोचकर बताओ।

साबुन में क्या-क्या?

अम्बुज ने बताया, "नहाने के साबुन में फूल, पत्ते, फल भी होते हैं। कुछ में नींबू, गुलाब तो कुछ में नीम होता है। सूँघने पर पता चलता है कि किस में क्या है।"
इस पर फरहा ने कहा, "नहाने की सब साबुनों में एक चीज़ ज़रूर होती है। उसका सूँघने से पता नहीं चलता। थोड़ा-सा झाग आँख में चला जाए, तभी पता चलता है।"
"क्या है वह चीज़?"
"मिर्च, और नहीं तो क्या!"

– गोविन्द शर्मा

चित्रः जितेन्द्र ठाकुर